अभग ६७

(राग: भूप जिल्हा - ताल: त्रिताल)

माणिकासी आनंद जाहला। कैलासीचा आला शंभु येथें।।३।।

(रागः मूप जिल्हा – तालः त्रिताल)
गांजिलासे मल्ल धर्मपुत्र साती। म्हणुनि महिपती अवतार हा।।१।।
गाजिलास मह्न वमपुत्र साता । म्हणुनि माहपता अवतार हा ।।१।।
वधोनिया मल्ल बहत प्रचंड। राहिला मार्तंड प्रेमपुरी।।२।। दीना
4411141 18 481 2431 111611 1113 2431 11111 4111